राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान

'बापू भवन', मातोश्री रमाबाई अंबेडकर रोड

(ताड़ीवाला रोड), पुणे - 411 001

NATIONAL INSTITUTE OF NATUROPATHY

'Bapu Bhavan', Matoshree Ramabai Ambedkar Road,

(Tadiwala Road), Pune - 411 001

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

नई दिल्ली

Ministry of AYUSH, Govt. of India

New Delhi

एन.आई.एन. परिसर में महात्मा गाँधीजी का स्मारक

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे
NATIONAL INSTITUTE OF NATUROPATHY (NIN), PUNE

Email: ninpune@vsnl.com **Website:** www.punenin.org

Phone: 020 – 26059681/2/3/4/5 **Fax:** 020-26059131

सूची Index

S. No.	Particulars	Page No.
1.	प्रस्तावना	5-7
2.	कर्मचारियों की मदस्थिति	8
3.	उद्देश्य	8-9
4.	बजट वितरण	9
5.	कार्यक्रम	9
6.	संपादित लक्ष्य	10
7.	वित्तीय मदस्थिति	10
8.	स्थायी वित्तिय समिति	11-12
9	संस्थान की गतिविधियाँ	12-47
10.	महत्वपूर्ण गतिविधियाँ	48
11,	स्वच्छ भारत अभियान	48-50

प्रस्तावना

कई संस्कृतियों तथा समय में प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य का मूल आधार रहा है । भारतीयों की जीवनचर्या में प्राकृतिक चिकित्सा के तत्वों और पद्धतियों का समन्वय किया गया है और यह पद्धति निरंतर विकसित तथा बढ़ती जा रही है । प्राकृतिक चिकित्सा से निरोग रहने का तंत्र रोगोपचार विशेष तथा निदान, प्रतिरक्षा और पोषण चिकित्सा के क्षेत्र का ज्ञान सम्मिलित कर यह पद्धति लगातार बढ़ रही है । निसंदेह हम यह कह सकते हैं कि अनेक रोगों में प्राकृतिक चिकित्सा प्रभावशाली कार्य करती है और उसमें खर्च भी कम होता है। अन्य शब्दों में यह एक बिना औषधि चिकित्सा पद्धति है जो अद्वितीय है क्योंकि इसका शरीर पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है । आज प्राकृतिक चिकित्सा पूरे संसार में स्वास्थ्य रक्षा की स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित हुई है ।

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एन.आई.एन.) ऐतिहासिक इमारत "बापू भवन" मातोश्री रमाबाई अम्बेडकर रोड (ताड़ीवाला रोड), पुणे 411001 पर स्थित है । इस इमारत का नाम बापू भवन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नाम पर रखा गया है । राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान पहले 'नेचर क्योर क्लीनिक' एवं 'सेनिटोरियम' के नाम से जाना जाता था जो स्वर्गीय डॉ. दिनशॉ के. मेहता द्वारा चलाया जाता था । इस दौरान महात्मा गांधी जी ने विभिन्न अवसरों पर कुल 156 दिन निवास किया । यहां पर 'ऑल इंडिया नेचर क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट' की स्थापना की गई और महात्मा गांधी जी इसके आजीवन अध्यक्ष बने । यहां रहकर गांधी जी ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का आयोजन किया । सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अंतर्गत दिनांक 27 सितंबर, 1984 को एन.आई.एन. पंजीकृत किया गया और 22.12.1986 से अस्तित्व में आया । प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का प्रचार तथा प्रसार, सभी प्रकार की बीमारियों का प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग द्वारा इलाज, अनुसंधान तथा प्रशिक्षण का संचालन करना और महात्मा गांधी जी की स्मृति में एक जीता-जागता स्मारक स्थापित करना है ।

वर्ष 2015-16 के दौरान संस्थान ने अपनी अनेक आंतरिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है जैसे प्राकृतिक चिकित्सा, बाह्य रुग्ण विभाग में प्रतिदिन लगभग 300 रोगियों का उपचार किया जाता है । प्रतिदिन आठ नियमित योग की कक्षाएं चलाई जाती हैं जिसमें विशेष पॉवर योगा सेक्शन, हेल्थ शॉप जहां जैविक (आर्गेनिक) हेल्थ उत्पाद रसायन से मुक्त उपलब्ध हैं । जैविक पदार्थ, उपचार उपकरण और प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग से संबंधित मराठी, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध पुस्तकों का विक्रय किया जाता है । आम जनता के लिए पुस्तकालय में शांत वातावरण में वाचनालय की सुविधा तथा प्राकृतिक आहार केंद्र में आम जनता को स्वास्थ्यप्रद आहार दिया जाता है । बाहरी गतिविधियों में बाह्य रुग्ण औषधालय और प्राकृतिक इलाज की सुविधा वडगांव शेरी, पुणे में उपलब्ध है । आरोग्य आहार प्रदर्शनी, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग कार्यशाला, सम्मेलन/संगोष्ठियों का आयोजन निजी एवं सरकारी संगठनों, विद्यालयों, महाविद्यालयों आदि में आम जनता एवं महिलाओं के समूहों के लिए किया जाता है । एन.आई.एन. ने संस्थान की गतिविधियों पर आधारित एक वीसीडी भी तैयार की है ।

एन.आई.एन. में एक नई सुसज्जित पूर्ण रूप से स्वचालित पैथोलोजी प्रयोगशाला इस संस्थान के परिसर में ही स्थापित है । अत्यंत सुसज्जित मेडी-जिम भी रोगियों और आम जनता के लिए सदस्यता के आधार पर उपलब्ध है तथा हाइड्रो रिफलेक्सोलॉजी ट्रैक निःशुल्क उपलब्ध है।

एन.आई.एन. द्वारा एचआईवी संक्रमित रोगियों के लिए पंचगनी, जिला- सातारा, महाराष्ट्र में आरोग्याश्रम (सेनिटोरियम) चलाया जाता है, जहां पर रहने की सुविधा उपलब्ध है। प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग उपचार कराने वाले रोगियों को इसका लाभ मिल रहा है । प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के द्वारा इलाज करने में मरीजों को काफी हद तक उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सक्षम हैं।

एन.आई.एन. द्वारा द्विभाषी हिंदी-अंग्रेजी मासिक पत्रिका निसर्गोपचार वार्ता का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न बीमारियों, प्राकृतिक चिकित्सा उपचार के तौर तरीकों, स्वस्थ आहार और खाद्य व्यंजनों आदि से संबंधित लेख प्रकाशित होते हैं जिन्हें पाठकों द्वारा अत्यधिक सराहा जाता है । पूरे एक दिन विभिन्न रोगों के विषयों पर कार्यशाला, विभिन्न क्षेत्रों में आम जनता के लिए प्रक्रियाओं के प्रदर्शन के साथ के लिए कार्यशाला का आयोजन सभी भाषाओं जैसे: तेलुगू, मराठी, पंजाबी, मलयालम, तमिल, कन्नड़, गुजराती, उड़िया, बंगाली, सिंधी, आदि में किया जाता है । एन.आई.एन. द्वारा एक वर्षीय प्राकृतिक चिकित्सा उपचार परिचारक सहायक ट्रेनिंग कोर्स (टी.ए.टी.सी.)/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग पद्धति में नर्सिंग डिप्लोमा (एन.डी.एन.वाई.टी.) कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 80 छात्रों को प्रतिमाह 5000 छात्रवृति प्रदान की जाती है । एन.आई.एन. भारत के विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा कॉलेजों से स्नातक करने के लिए बी.एन.वाई.एस. के लिए इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है|

एन.आई.एन. द्वारा सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई.) कार्यक्रम और अनुसंधान क्रिया विधि (आर.एम) कार्यशाला प्राकृतिक चिकित्सा स्नातकों एवं अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओ.टी.पी.) चिकित्सा की अन्य पद्धतियों से संबंधित चिकित्सकों के लिए आयोजित किया गया। वर्ष 2015-16 के दौरान छ्ह कार्यक्रम सीएमई/ ओटीपी/आरएम के और महिला सशक्तिकरण के तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

एन.आई.एन. ने आयुष मंत्रालय द्वारा समय-समय पर आयोजित आरोग्य प्रदर्शनियों में सहभागिता की है । एन.आई.एन. द्वारा वर्ष के दौरान अन्य प्रदर्शनियों जैसे हैदराबाद में स्वास्थ्य एक्सपो - 2015, "पुणे बुक फेयर" पुणे में, राष्ट्रीय आरोग्य फेयर, पुणे में और "टाईम्स स्वास्थ्य एक्सपो - 2015 पुणे में, पूना केरला समाजम के ओणम समारोह में सहभागिता की है ।

एनआईएन पुणे द्वारा 21 जून, 2015 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और इसके अलावा योग के महत्व का प्रसार करने के लिए अन्य कार्यक्रम जैसे मिनी मैराथन, सामूहिक योग सत्र, क्रीड़ा योग और योग परिवार महोत्सव आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इसी दिन एक वर्षीय श्वास जागरूकता अभियान और चिकित्सीय योग अनुभाग की शुरूआत की गई ।

एन.आई.एन. द्वारा जनवरी, 2016 में गोवा में अपनी बाहरी (आउटरीच) गतिविधियों के भाग के रूप में - दो दिन के राष्ट्रीय सात्विक आहार महोत्सव और योग प्राकृतिक चिकित्सा संगोष्ठी (एनएनएफएफ - 2016)" का आयोजन किया गया । माननीय आयुष मंत्री, श्री श्रीपद नाईक के कर कमलो द्वारा राष्ट्रीय सात्विक आहार महोत्सव का उद्घाटन किया गया और इस अवसर पर वह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए । इस अवसर पर गोवा के माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री फ्रांसिस डिसूजा, माननीय श्री रोहण खोंटे, एमएलए पोरवोरिम, गोवा, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. डॉ. बी.टी.सी. मूर्ति और डॉ. बाबू जोसेफ, श्री मनोहर अडपाईकर, अध्यक्ष, आधार संस्था, पोंडा, गोवा, श्री अनंत बिरादार, आईएनओ एवं अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित रहकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । इस महोत्सव का उद्देश्य प्राकृतिक आहार को बढ़ावा देने और प्राकृतिक भोजन का लाभ, खाना पकाने के प्राकृतिक तरीकों और स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव का प्रचार करने के लिए किया गया था। देश के विभिन्न भागों से प्राकृतिक चिकित्सा मेडिकल कालेजों 'आहार और स्वास्थ्य' से संबंधित सभी मामलों पर लोगों को शिक्षित करने के लिए इस आयोजन में भाग लिया। विभिन्न प्राकृतिक स्वास्थ्य खाद्य व्यंजनों जूस और सूप, आदि की तैयारी का प्रदर्शन भी किया गया था। इस समापन समारोह में मुख्य अतिथि गोवा के माननीय मुख्यमंत्री श्री लक्ष्मीकांत पारसेकर जी थे । उन्होंने ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को और स्टाल प्रदर्शनी में भाग लेने वाले प्राकृतिक चिकित्सा कॉलेजों के सहभागियों को पुरस्कार वितरीत किए।

एन.आई.एन. ने प्राकृतिक आहार और उनकी विधियों से संबंधित पाककला के दूसरे संस्करण का प्रकशन किया जिसे आम जनता द्वारा सराहा गया । एन.आई.एन द्वारा संस्थान में प्रति वर्ष 'कुकरी क्लासेज' (पाककला कक्षाओं) का आयोजन किया जाता है। जिसमें विभिन्न प्रकार के जूस बनाना, सलाद, मसाले एवं तेल रहित सब्जियों और मुख्य खाने के पदार्थ बनाने की विधियां प्रयोग सहित सहभागियों को सिखाई जाती है।

इस संस्थान द्वारा माह सितंबर, 2015 में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया । इस पखवाड़े के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं जैसे अंताक्षरी, भाषण, निबंध लेखन और श्रुति-लेखन आदि प्रतियोगिताओं का सभी कर्मचारियों, चिकित्सकों और छात्रों के लिए आयोजन किया गया। साथ ही साथ टिप्पण और आलेखन विषय पर सभी कर्मचारियों, चिकित्सकों और छात्रों के लिए हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय द्वारा किया गया जिसमें हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने, सरकारी कामकाज करने और सामान्य पत्राचार करने के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया । इसके अलावा संस्थान में सतर्कता जागरुकता सप्ताह, राष्टीय एकता दिन, सदभावना दिन, इत्यादि का पालन किया गया |

मैं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की आभारी हूं जिन्होंने एन.आई.एन. संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए तकनीकी सहायता, सलाह, मार्गदर्शन, अनुदान सहायता, इत्यादि उपलब्ध कराई ।

(प्रो. (डॉ.) के. सत्य लक्ष्मी)
निदेशक

1. एन.आई.एन. के स्टॉफ की स्थिति **:** एन.आई.एन. के कुल स्टॉफ की संख्या 22 है जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

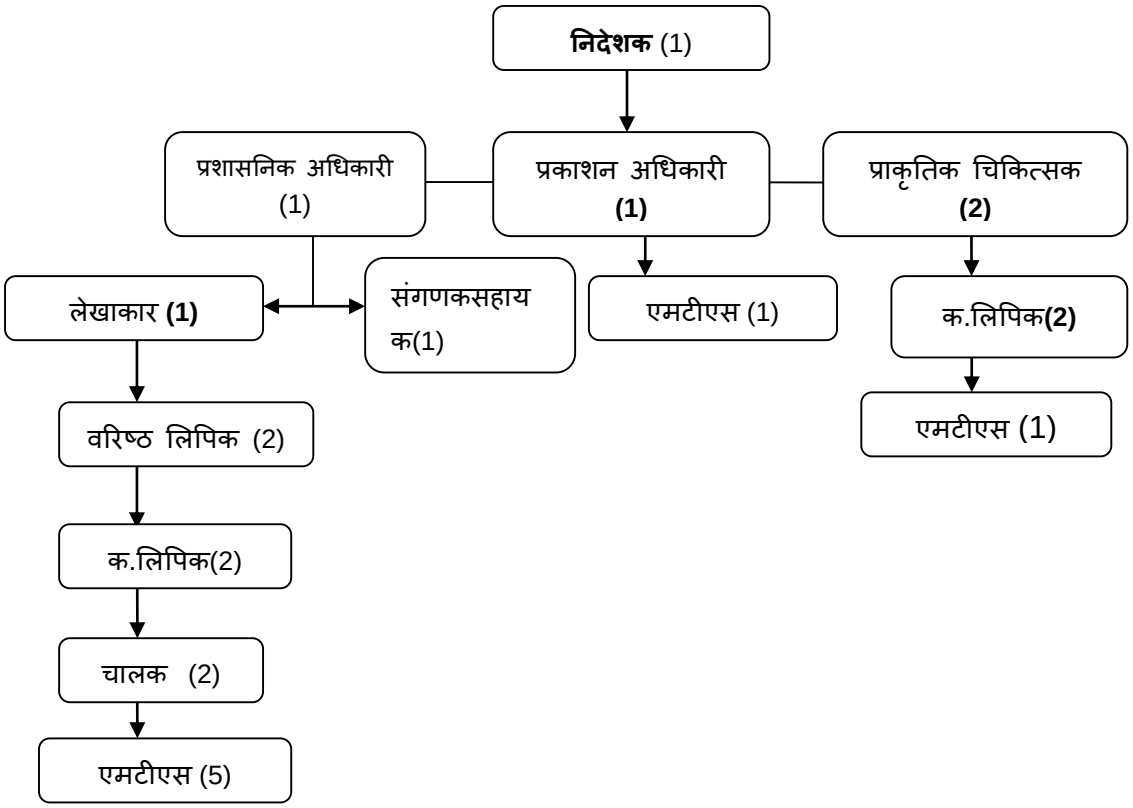

संस्थान की गतिविधियाँ, रुग्णसेवा गतिविधियाँ, विभिन्न कार्यक्रमों और बढ़ती हुई बहुमुखी संस्थान की गतिविधियों का व्यवस्थापन 62 आउटसोर्सिंग स्टाफ की सहायता से किया जाता रहा है जिसमें कनिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक, सलाहकार, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर्स, क्लीनिकल अटेंडेंट्स और सुरक्षाकर्मी में उपर्युक्त 22 स्वीकृत स्टाफ के साथ कार्यरत हैं ।

2. उद्देश्य :

- मानव स्वास्थ्य से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों के सभी पहलुओं को संचालित करना, प्राकृतिक चिकित्सा के सभी क्षेत्रों में सहायता और प्रोत्साहन देना ।
- सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने, प्रोत्साहित करने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा और / या नेचर केयर और / या संयोजन चिकित्सा के लिए सुविधाएं प्रदान करना।
- सभी प्रकार के क्षेत्रों में उपचार करने, प्रोत्साहित करने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा और / या नेचर केयर और / या संयोजन चिकित्सा के लिए सुविधाएं प्रदान करना।
- मानकीकरण और मौजूदा ज्ञान के प्रसार और उसके अनुप्रयोग के साथ ही प्रोत्साहित करने के लिए सुविधाएं प्रदान करना ।

- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का एक जीता-जागता स्मारक स्थापित करना।
- 'नेचर क्योर क्लीनिक और सेनेटोरियम, बापू भवन, पुणे में व्यक्तिगत रूप से महात्मा गांधी जी के इस्तेमाल से जुड़ी सभी संरचनाओं, लेख, बातों, उपकरणों की रक्षा करना।
- सामान्यत: उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक प्राकृतिक चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना करना ।

3. पिछले पांच वर्षों का बजट विवरण :

(रु. लाख में)

विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
प्राप्त सहायक अनुदान	600.00	534.00	555.00	280.00	1266.00

4. 2015-16 में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम :

एन.आई.एन. द्वारा जन सामान्य के लिए जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा के मूल तत्वों के संदर्भ में जानकारी दी गई तथा विभिन्न प्राकृतिक उपचारों एवं योगासनों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया । देश के विभिन्न भागों में अनेक स्वास्थ्य शिक्षा शिविरों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, साप्ताहिक व्याख्यानों इत्यादि का आयोजन किया गया । गठिया, मधुमेह, मोटापा, दमा, उच्च रक्तचाप, मूत्रमार्ग के विकार, त्वचा विकार, कैंसर, माइग्रेन इत्यादि पुरानी बीमारियों पर प्रतिवेदित अवधि में संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा तथा योगोपचारों के संदर्भ में जानकारी दी गई । प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के प्रचार-प्रसार का कार्य आरोग्य तथा अन्य प्रदर्शनी में सहभाग लेकर और स्वास्थ्य आहार मेले का आयोजन भी किया गया ।

5. वर्ष 2015-16 के दौरान उपलब्धियां (संपादित लक्ष्य):

एन.आई.एन. का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग चिकित्सा का संपूर्ण भारत वर्ष में प्रचार एवं प्रसार करना है । उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है :-

क्र.सं.	गतिविधियां	उपलब्धियां
1	सीएमई/आरएम/ओटीपी	6
2	महिला घटक कार्यक्रम (सीएमई)	3
3	मासिक कार्यशाला / संगोष्ठी	11
4	प्रादेशिक भाषा में कार्यशालाएं	4
5	मासिक कार्यशाला / संगोष्ठियों के अलावा	14
6	साप्ताहिक व्याख्यान	48
7	आरोग्य आहार मेला	1
8	स्कूल के बच्चों/छात्रों के लिए जागरुकता कार्यक्रम	4
9	आरोग्य और अन्य प्रदर्शनियां	6
10	आयुषमान भारत कार्यक्रम	11
11	ओपीडी में इलाज किए गए रोगियों की संख्या	60,062
12	ओपीडी प्राप्तियां	**रु.** 69,68,162/-
13	योग सहभागी (2521 कक्षाएं)	2232/-
14	योग प्राप्तियां	**रु.** 7,11,060/-
15	हेल्थ शॉप बिक्री	**रु.** 44,83,513/-
16	प्राकृति आहार केंद्र बिक्री	**रु.** 21,14,386/-
17	मासिक पत्रिका प्रकाशित	12 **पेपर**.
18	मैडी जिम प्राप्तियां	**रु.** 7,41,300/-
19	पैथोलॉजी प्रयोगशाला प्राप्तियां	**रु.** 1,16,328/-
20	एनआईएन स्टाफ के द्वारा कार्यक्रम/बैठकों में उपस्थिति	13

6. वित्तीय स्थिति :

वर्ष 2015-16 के लिए संस्थान को कुल रु. 1266.00 लाख का बजट अनुदान सहायता मंजूर की गई जो विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा और योग को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों, 'निसर्ग ग्राम' (प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल, चिकित्सा महाविद्यालय, अनुसंधान इकाई और गांधी स्मारक) के खर्चों के लिए थी ।

7. स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी) :

स्थायी वित्तीय समिति की 28 वीं बैठक श्री अनुराग श्रीवास्तव, आई ए एस, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता में नई दिल्ली में दिनांक 23 जून, 2015 को संपन्न हुई ।

स्थायी वित्तीय समिति की 29 वीं बैठक राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे में श्री अनुराग श्रीवास्तव, आई ए एस, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता में दिनांक 28 अगस्त, 2015 को संपन्न हुई ।

स्थायी वित्तीय समिति की 29 वीं बैठक के दौरान आयुष मंत्रालय के उच्च अधिकारीगण :

(बाएँ से दाएं): श्री एस. डी. शर्मा, अवर सचिव (एन.आई.) आयुष मंत्रालय, प्रो. (डॉ) के. सत्यलक्ष्मी, एन.आई.एन., निदेशक, डॉ. डी. सत्यनाथ, प्राकृतिक चिकित्सक, एन.आई.एन., श्री अनुराग श्रीवास्तव,

आई ए एस, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और स्थायी वित्तीय समिति के चेयरमैन, श्री राजकुमार, आई.एस.एस., निदेशक (आयुष) और श्री. जी. आर. रायगर, उप सचिव, आई.एफ.डी., आयुष मंत्रालय |

संस्था निदेशक आयुष मंत्रालय के उच्च अधिकारीओं को नवीन बाह्य रोगी विभाग के बारे में जानकारी देते हुए |

8. संस्थान की गतिविधियां :

i. **प्राकृतिक चिकित्सा का आधुनिक बाह्य रुग्ण विभाग :** संस्थान द्वारा नि:शुल्क परामर्श सेवा दी जाती है और एक सप्ताह के लिए 500/- रु. नाम मात्र का शुल्क लेकर विभिन्न रोगों का उपचार किया जाता है । गरीब रोगियों का रियायती शुल्क पर अथवा नि:शुल्क उपचार किया जाता है । इस वर्ष के दौरान बाह्य रुग्ण विभाग में 60,062 रोगियों का उपचार किया गया और इससे कुल आय रु. 6,68162/- की हुई ।

डॉ दिनशा मेहता मेमोरियल ओ. पी. डी.

एन.आई.एन. बाह्य रुग्ण विभाग उपचार स्वागत कक्ष

ii. **योग की कक्षाएं :** प्रतिदिन योग की आठ कक्षाओं का आयोजन किया जाता है । प्रत्येक महीने में लगभग 180 लोग इसका लाभ उठाते हैं ।

iii. **थेराप्यूटिक योग अनुभाग :** अंतरराष्ट्रीय योग-2015 के आयोजन के अवसर पर थेराप्यूटिक योग अनुभाग जिसका उद्घाटन माननीय सांसद श्री अनिल शिरोल जी ने किया । इस प्रकार की नई सुविधा एन.आई.एन. में थेराप्यूटिक योग वांछित रोगियों के लिए उपलब्ध की गई ।

योगा हॉल

योग सहभागकर्ता

iv. **मासिक (हिंदी/अंग्रेजी) पत्रिका 'निसर्गोपचार वार्ता' :-** एन.आई.एन. 'निसर्गोपचार वार्ता' नामक द्विभाषी मासिक पत्रिका का प्रकाशन पाठकों के लिए न्यूनतम रियायती शुल्क में उपलब्ध करवाता है । प्रसिद्ध लेखकों के प्राकृतिक चिकित्सा पर लेख, योग, प्राकृतिक आहार, दीर्घ जीवन, प्राकृतिक जीवन, रोगों की रोकथाम और उनका प्राकृतिक

उपचार आदि का प्रकाशन किया जाता है । प्रत्येक महीने में इस पत्रिका की प्रतियां नियमित अंशदाताओं, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, सरकारी अधिकारियों/कार्यालयों को भेजी जाती है ।

निसर्गोपचार वार्ता पत्रिका का प्रकाशन

v. **हेल्थ शॉप :** स्वास्थ्यप्रद खाद्य पदार्थ, प्राकृतिक उत्पाद, उपचार के उपकरण और नैचुरोपैथी तथा योग पुस्तकों की बिक्री जाती है । चालू वर्ष के दौरान इस बिक्री से कुल रुपए 44,83,513/- की प्राप्ति हुई ।

एन.आई.एन. हेल्थ शॉप

स्वास्थ्यप्रद प्राकृतिक खाद्य उत्पाद,इ.

vi. **पुस्तकालय :**

एन.आई.एन. का पुस्तकालय जन-सामान्य के लिए, पुस्तकालय की पुस्तकें पाठन हेतु और घर ले जाने की सुविधा उपलब्ध करवाता है । इस पुस्तकालय में प्राकृतिक

चिकित्सा, योग और स्वास्थ्य से जुड़े अन्य विषयों पर 9000 से अधिक पुस्तकें, मासिक पत्रिकाएं, जर्नल्स एवं बुलेटिन्स उपलब्ध हैं । पुस्तकालय के शैक्षणिक अनुभाग का तथा अनुसंधान का उपयोग अन्य संस्थानों के छात्रों, संकायों और आम जनता के द्वारा किया जा रहा है ।

एन.आई.एन.पुस्तकालय

vii. **हाउस सरजेंसी :** विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालयों के स्नातकों को बारी-बारी से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया । प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिमाह 3500/- रु. की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है ।

viii. **प्राकृतिक चिकित्सा का एक वर्षीय उपचार परिचारक प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीएटीसी) :** यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 1 जुलाई एवं 1 जनवरी से शुरू होता है । प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को प्रतिमाह 5000/- रु. की छात्रवृत्ति दी जाती है ।

ix. **दो साल का प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग पद्धति में नर्सिंग डिप्लोमा (एनडीएनवाईटी):** एन.आई.एन ने दो साल का प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग पद्धति में नर्सिंग डिप्लोमा 12वीं पास बायलॉजी (साइंस) के छात्रों के लिए रु. 5000/- प्रति माह छात्रवृत्ति (स्टाईफंड) के साथ आयोजित किया । वर्ष के दौरान एन डी एन वाई टी पाठ्यक्रम में कुल 65 छात्रों ने प्रवेश लिया था ।

x. **मासिक कार्यशाला :** प्रत्येक महीने के अंतिम शनिवार को संस्थान द्वारा आयोग्य के विभिन्न पहलुओं / रोगों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाता है । सहभागियों से 70/- रु. पंजीकरण शुल्क के रूप में लिया जाता है । प्रत्येक सहभागी को प्राकृतिक चिकित्सा आहार एवं रस, मासिक अंक निसर्गोपचार वार्ता और जरूरतमंद सहभागी को उपचार उपकरण एनिमा कैन नि:शुल्क दिए जाते हैं । प्रत्येक कार्यशाला में औसतन लगभग 80 व्यक्ति सहभागिता करते हैं । वर्ष के दौरान इस प्रकार की कुल 11 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया ।

xi. **प्रादेशिक भाषाओं में मासिक कार्यशाला :** संस्थान द्वारा प्रत्येक महीने के तीसरे शनिवार को 'मानव स्वास्थ्य और जीवन-शैली' विषय पर मराठी, तेलुगु, गुजराती, तमिल, मलयालम, कन्नड, ओडिया, बंगाली और सिंधी इत्यादि प्रादेशिक भाषाओं में कार्यशाला का आयोजन किया जाता है । जरूरतमंदों को मासिक अंक निसर्गोपचार वार्ता का और जरूरतमंद सहभागी को उपचार उपकरण एनिमा कैन का नि:शुल्क वितरण किया जाता है । प्रत्येक कार्यशाला में 100 व्यक्ति सहभागिता करते हैं । यह एक पूर्ण दिवसीय कार्यशाला जहां प्रतिभागियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के सिद्धांतों पर उन्मुखीकरण दिया जाता है। इस कार्यक्रम के दौरान पौष्टिक प्राकृतिक आहार भी परोसा जाता है।

तेलुगु प्रादेशिक भाषा की कार्यशाला का एक दृश्य

मराठी प्रादेशिक भाषा की कार्यशाला में सहभागियों का एक दृश्य

xii. **साप्ताहिक सायंकालीन व्याख्यान :** प्रत्येक शनिवार को स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है जिसमें स्वास्थ्य/रोग, योग, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति और उसके फायदे, दीर्घायु, आहार, प्राकृतिक जीवन पद्धति इत्यादि विषय होते हैं । वर्ष 2015-16 के दौरान 48 व्याख्यान आयोजित किए गए ।

xiii. **प्राकृतिक आहार केंद्र :** वर्ष 2006 से एन.आई.एन के परिसर में प्राकृतिक आहार केंद्र स्व-वहनीय आधार पर चलाया जा रहा है । जिसमें स्वास्थ्यवर्धक नाश्ता, दोपहर का भोजन, रात का भोजन, रस, फल और सलाद आदि उचित दरों पर दिया जाता है । चालू वर्ष के दौरान कुल बिक्री से रु. 21,14,386/- की राशि प्राप्त हुई ।

प्राकृतिक उपाहार

प्राकृतिक थाली

आहार केंद्र में प्राकृतिक आहार का आनंद उठाते हुए आगंतुक, रोगी एवं छात्र

xiv. **एच आई वी पॉजिटिव रोगियों के लिए आरोग्याश्रम :** एन.आई.एन द्वारा पंचगनी, जिला-सातारा, महाराष्ट्र में एच आई वी पॉजिटिव रोगियों के लिए एक आरोग्याश्रम शुरू किया गया है । इस वर्ष कुल 65 रोगियों का उपचार किया गया ।

एच आई वी पॉजिटिव रोगियों के लिए आरोग्याश्रम पंचगनी, जिला - सातारा

xv. **प्राकृतिक चिकित्सा की दुर्लभ पुस्तक का पुनर्मुद्रण :** संस्थान ने यू एस ए के डॉ. जे एच केलॉग, लिखित 'रेशनल हाइड्रोथेरेपी' नामक दुर्लभ पुस्तक का पुनर्मुद्रण किया और यह पुस्तक बिक्री के लिए उपलब्ध कराई गई । वर्ष के दौरान इस पुस्तक की 2200 प्रतियों का पुनर्मुद्रण कराया गया ।

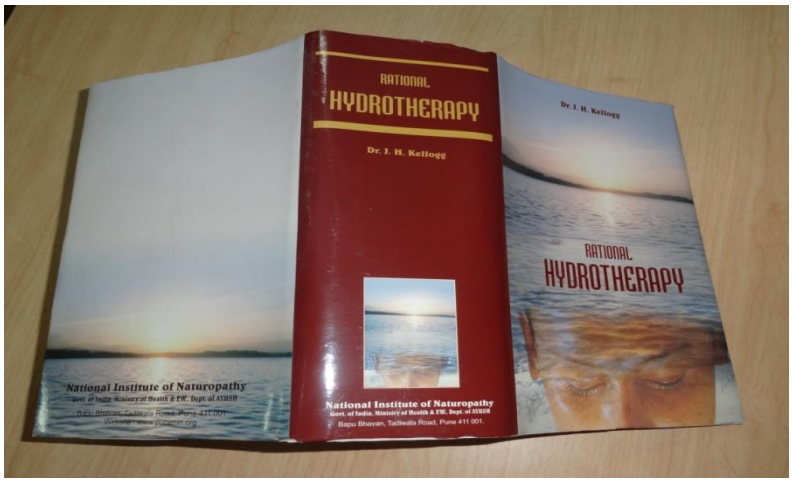

रेशनल हाइड्रोथेरेपी पुस्तक

xvi. **प्राकृतिक आहार विधि और पाक कला पुस्तक :** संस्थान द्वारा पाककला पुस्तक का प्रकाशन किया जाता है जिसमें रस, सूप, गर्म पेय, सलाद, चटनी, एवं अन्य प्राकृतिक पदार्थ इत्यादि की 200 से ज्यादा स्वादिष्ट आहार की विधियों की जानकारी दी गई है

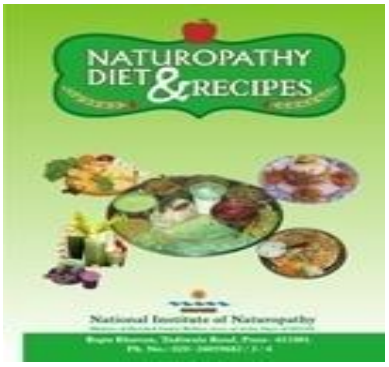

xvii. **योगा पुस्तिका :** संस्था द्वारा योगा फॉर बिगिनर्स पुस्तक प्रकाशित की जाती है जिसकी बिक्री स्वास्थ्य दुकान से की जाती है।

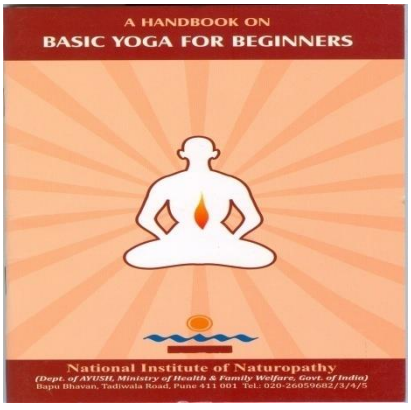

xviii. **वीडियो फिल्म्स :** एन.आई.एन ने प्राकृतिक चिकित्सा उपचार, विभिन्न रोगों और संस्थान की गतिविधियों पर एक वीसीडी तैयार की है जिसकी बिक्री स्वास्थ्य दुकान द्वारा की जाती है ।

xix. **चालू वित्त वर्ष के दौरान एन.आई.एन के प्रकाशन :**

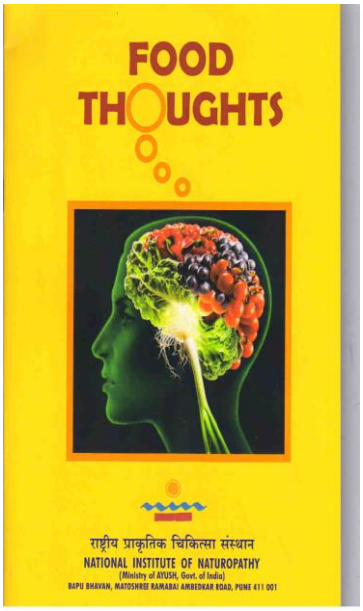

संस्था द्वारा प्रकाशित फूड डायेट पुस्तक - पाककला की विस्तृत शृंखला पर आधारित है.

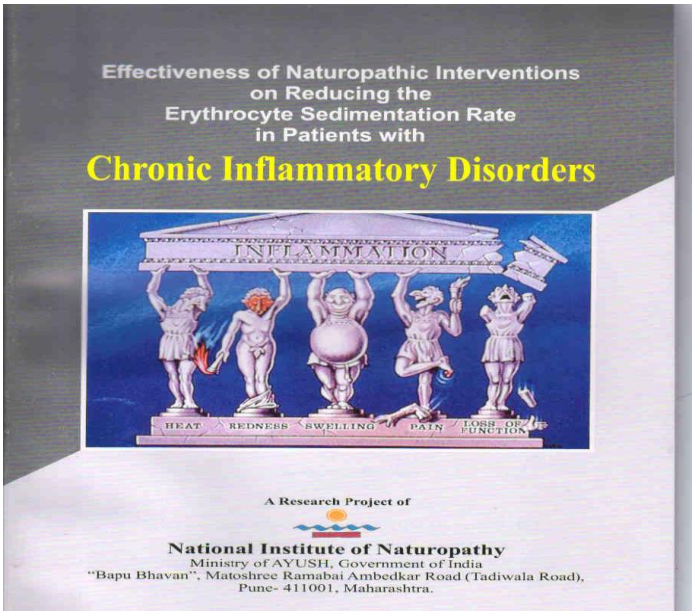

संस्था द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ.

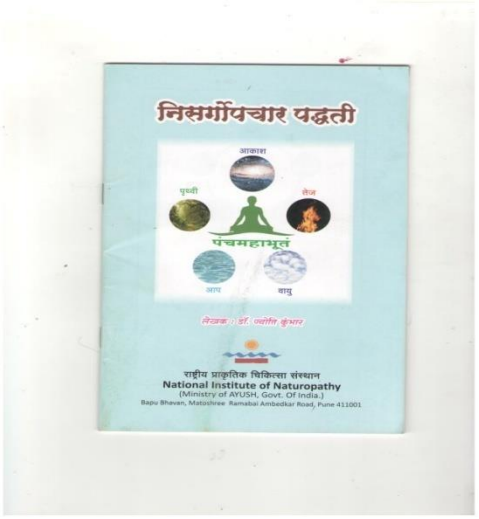

संस्था द्वारा मराठी भाषा में प्रकाशित पुस्तक निसर्गोपचार पध्द्ती और नैसर्गिक आहार

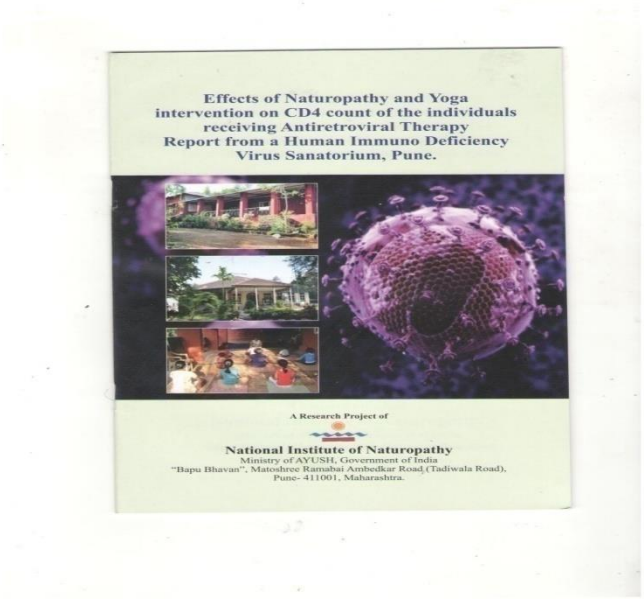

संस्था द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ

संस्था द्वारा मराठी भाषा में प्रकाशित पुस्तक स्वास्थ्य व योग.

xx. एनआईएन में अनुसंधान डेस्क :

- एनआईएन में संस्थागत अनुसंधान, सहयोगात्मक अध्ययन पर गौर करने के लिए स्थापित किया गया है ।
- विभिन्न अंतरराष्ट्रीय इंडेक्स्ड पत्रिकाओं में एन.आई.एन के नीचे दिए गए सूचीबद्ध सत्रह रिसर्च पेपर्स प्रकाशित किए गए हैं :-

प्रकाशित पेपर्स

1. नायर पीएमके, प्राकृतिक चिकित्सा और योग एकाधिक हार्मोनल असंतुलन पर - एकल मामला रिपोर्ट अंतर्रा. पत्रिका रिपोर्ट कांट्रासेप्ट ऑब्स्टेट गायनोकॉल, 2016 (प्रिंट हेतु)
2. नायर पीएमके, श्रीलॉयएम, जैनराज आर. ज्ञान, प्राकृतिक चिकित्सा चिकित्सकों के बीच रवैया और चिकित्सीय उपवास का अभ्यास: उपवास और स्वास्थ्य का एक क्रॉस अनुभागीय राष्ट्रीय सर्वे जर्नल 2015; 3:146-50.
3. नायर पीएमके, श्रीलॉयएम, सलवा एच, सत्यनाथ डी. प्राकृतिक और योग हस्तक्षेप एक सहायक थेरेपीएक समानांतर नैदानिक और बायोमेडिकल का मिलान नियंत्रण स्टडी.इंटरनेशनल जर्नल के रूप में कला की देखभाल के प्रभाव को बढ़ाने के लिए के लिए साक्ष्य; अनुसंधान.2016:2 (प्रिंट हेतु)
4. शाथीरपाथीजी, नायर पीएमके, स्टार्च दृढ़ हल्दी स्नान के हायंडवीएस प्रभाव सोरायसिस पर: एक समानांतर नियंत्रित परीक्षण । वैकल्पिक और पूरक थेरेपीज.2015,20:125-129.

5. प्रणव के., श्रीलॉयएम वर्मा एम ए अल्पावधि प्राकृतिक हस्तक्षेप संज्ञानात्मक कार्य और विश्वविद्यालय छात्र एक प्रारंभिक स्टडी. में नींद की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए 2015:4,454-458.

6. श्रीलॉयएम नायर पीएमके, प्रणव के., के सत्यनाथ डी. प्राथमिक उच्च रक्तचाप-एक समानांतर नियंत्रण परीक्षण में रक्त के दबाव के झुकाव में धीमी गति से साँस लेने बनाम चार अंक के मैनुअल एक्यूपंक्चर उत्तेजना का तत्काल प्रभाव। एक्यूपंक्चर और संबंधित थेरेपीज.2015, 3: 15-18.
7. नायर पीएमके, अरंकाले डी वी, श्रीलॉयएम, सत्यनाथ डी. जीर्ण सूजन बीमारियों के साथ रोगियों में एरिथ्रोसाइट अवसादन दर को कम करने पर प्राकृतिक उपायों की प्रभावशीलता पर नवीन अनुसंधान एवं विकास की इंटरनेशनल जर्नल. 2015; 4: 183-186.
8. जोसेफ बी, नायर पीएम, नंदा ए. प्राकृतिक चिकित्सा और एक मानव इम्यूनो वायरस अस्पताल, पुणे. एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी-रिपोर्ट प्राप्त व्यक्तियों की सीडी4 गिनती पर योग के हस्तक्षेप के प्रभाव; इंट.जे. योग 2015 8: 122-7.
9. नायर पीएम, नंदा ए. भारत में प्राकृतिक चिकित्सा। फोकस अल्टर्नकॉम्पलीमेंट थेरेपी 2014; 19: 140-7.
10. अरणकल्लेडी.वी., नायर पी एम. एक केस की रिपोर्ट: पार्किंसंस रोग में समारोह और जीवन की गुणवत्ता पर विद्युत एक्यूपंक्चर का प्रभाव। चिकित्सा में एक्यूपंक्चर: 2013; 31: 235-38.
11. अरणकल्ले डी.वी. मस्कुलकोस्केलटन विकारों के प्रबंधन में प्राकृतिक चिकित्सा और योग का समायोजन । निवारक चिकित्सा के इंटरनेशनल जर्नल; 2013,4:120-1.
12. अरणकल्लेडी.वी., जोसेफ बी प्राकृतिक चिकित्सा जीवन शैली हस्तक्षेप: एचआईवी देखभाल के क्षेत्र में एक नया आयाम। जे.अल्टर्नपूरक मेड 2013; 19: 480-1.
13. अरणकल्ले डी.वी., कुमार एम एक मोटापे से ग्रस्त वयस्कों पर एक 4 सप्ताह का योग प्रशिक्षण प्रोटोकॉल के एकल समूह पूर्व परीक्षण के बाद परीक्षण आकलन। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक योगा जर्नल सेंस 2013; 3: 22-29.
14. अरणकल्ले डी.वी., नायर पीएम. नैदानिक राउंडअप: लगातार मस्कुलोस्केलटल दर्द के लिए चयनित उपचार के विकल्प। वैकल्पिक और पूरक चिकित्सा 2013; 19: 49-58.
15. अरणकल्लेडी.वी., सुंदरनजे., रघुराज पी. स्वीमिंग अनुसंधान में प्रवृत्तियों पर महत्वपूर्ण दृश्य। प्राकृतिक चिकित्सा के इंटरनेशनल जर्नल: 2013 :4 693-5.
16. नायर पीएम, नंदा ए, डी अरणकल्ले नैदानिक राउंडअप: चयनित परिधीय न्युरोपटी के लिए उपचार के विकल्प। वैकल्पिक और पूरक चिकित्सा 2013; 19: 162-171.

17. अरणकल्लेडी.वी. नैदानिक राउंडअप: ध्यान डेफिसिट सक्रियता विकार के लिए चयनित उपचार के विकल्प। वैकल्पिक और पूरक चिकित्सा 2012; 18: 329-335.

xxi. **एक्युप्रेशर क्लिनिक :** सप्ताह में 6 दिन रोजाना अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक रोगियों के लिए नि:शुल्क एक्युप्रेशर का उपचार किया जाता है । प्रत्येक माह में लगभग 180 रोगी इस सुविधा का लाभ उठाते हैं।

नि:शुल्क एक्युप्रेशर का लाभ उठाते हुए रोगी

xxii. **मैडी-जिम :** मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द के लिए, निसर्गोपचार का एक हिस्सा होने के कारण संस्थान में एक मैडी जिम की सुविधा उपलब्ध है । यह अधिकतर युवा वर्ग को ज्यादा आकर्षित करता है । इस वर्ष के दौरान जिम के सदस्यों की संख्या 100 से ज्यादा हो गई है । चालू वर्ष के दौरान कुल राशि रु. 7,41,300/- की प्राप्ति हुई है।

एन.आई.एन मैडी जिम

xxiii. **एक्युपंक्चर अनुभाग :** एन.आई.एन में एक एक्युपंक्चर अनुभाग है जहां पर एक सप्ताह के लिए 300/- रुपए और एक दिन के लिए 70/- रुपए का शुल्क लिया जाता है ।

इंटरफेरेनशियल थेरेपी उपचार का लाभ उठाते हुए रोगी

xxiv. **पैथोलॉजी लैब :** एन.आई.एन में सभी नियमित परीक्षणों के लिए स्वचालित विश्लेषक, एचआईवी परीक्षण के लिए सीडी4, ट्राइडॉट, स्पाइरोमेट्री इत्यादि सुविधाओं से सुसज्जित पैथोलॉजी लैब जन सामान्य के लिए रियायती दर पर उपलब्ध है । चालू वर्ष में विचाराधीन रिपोर्ट के दौरान कुल रुपए 1,16,328/- की प्राप्ति हुई ।

एन. आई. एन. पैथोलॉजी लैब

9. सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (सी एम ई/ ओ टी पी/ आर एम) :

1. प्राकृतिक चिकित्सा चिकित्सकों के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम, कार्डिएक पुनर्वास पर प्राकृतिक चिकित्सा के जेएसएस संस्थान और योगिक साइंस, कोयंबटूर में 14 से 16 मई, 2015 को आयोजित किया गया जिसमें कुल 51 प्रतिभागियों ने सहभागिता की ।

2. एनआईएन ने प्राकृतिक तौर तरीकों पर सीएमई कार्यक्रम का आयोजन बीमारियों प्राकृतिक चिकित्सा के रेड क्रॉस संस्थान और योग, हैदराबाद के सहयोग से एनआईएन के साथ 23/03/2016 को रेड क्रॉस संस्थान, जीएनएमसीऔर कल्पमहर्षि आश्रम के छात्रों के रोगियों व आम जनता के लिए आयोजित किया गया था, इसमें कुल भागीदारी 109 थे।

3. एनआईएन प्राकृतिक चिकित्सा और योग विज्ञान के श्री राम कृष्ण मेडिकल कॉलेज, कन्याकुमारी, द्वारा दिनांक 23/03/2016 को तमिलनाडु में प्राकृतिक चिकित्सा के दर्शन पर सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसमें कुल भागीदारी 250 थी ।

4. एनआईएन प्राकृतिक चिकित्सा और योग विज्ञान, उजिरे, मंगलौर, कर्नाटक के एसडीएम कॉलेज में 27 मार्च, 2016 को सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में कुल 500 लोगों ने भाग लिया।

5. 28 और 29 मार्च 2016 को एनआईएन "प्राकृतिक चिकित्सा में नैदानिक प्रोटोकॉल" और स्नातक एवं प्राकृतिक चिकित्सा पर "एक नीति की तैयारी" कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया

गया था । चिकित्सा शिक्षा के लिए सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया। एनआईएन ने एक प्रयास प्राकृतिक चिकित्सा और योग प्राकृतिक चिकित्सा में प्रोटोकॉल का विकास होता है पर आयोजित किया । इस कार्यक्रम में कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6. राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ ऐंथ्रोपोलॉजीकल साईन्सेस् के सहयोग से ऐपिडिमियोलॉजी रिसर्च मेथड्स एंड प्रपोसल डेवेलपमेन्ट विषय पर आनंद आश्रम नेचुरोपैथी सेंटर, तलेगांव में दिनांक 14 से 16 अगस्त 2015 में एक कार्यशाला आयोजित की। सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय के संस्थापक संकाय के श्री देवधर जी के साथ तथा प्रो. मुटाटकर, चिकित्सा मानवविज्ञानी, डॉ. बी. टी. चिदानन्द मुर्ति, एन.आई.एन संस्था के पूर्व निदेशक और सी. सी. आर. वाय. एन के पूर्व निदेशक, प्रो. (डॉ) के. सत्यलक्ष्मी, निदेशक, एन.आई.एन की उपस्थिती में कार्यक्रम का औपचारिक उदघाट्न हुआ। देशभर के विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानो से आए कुल 37 प्रतियोगियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

10. एन.आई.एन पुणे द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम :

7. डॉ सीमा भवन, कनिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक, एनआईएन, ने स्वास्थ्य शिक्षा, प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धांतों के आधार पर और योग पर एक व्याख्यान (दीप गृह की एकीकृत सेवा एचआईवी / एड्स के लिए) 4 अप्रैल, 2015 को पुणे में दिया। व्याख्यान विशेष रूप से महिला स्वास्थ्य शिक्षा पर आयोजित किया गया ।

8. एनआईएन द्वारा एक कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम "मातृ देखभाल और प्राकृतिक चिकित्सा' पर चिन्मय विभूति मिशन, तालुका मुलशी, जिला पुणे में दिनांक 4 से 6 मार्च, 2016 को एक सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सभी स्नातकों और अभ्यासरत नेचुरोपैथ्स को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया । एनआईएन ने यह सभी प्राकृतिक चिकित्सा चिकित्सकों के लिए अपने कौशल को निखारने के लिए एक प्रयास मातृ देखभाल के क्षेत्र में किया गया ।

मुलशी में सीएमई कार्यक्रम के दौरान सहभागकर्ता

डॉ. प्रणव खवले, कनिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक, एन. आई. एन. द्वारा आयोजित अभ्यास योग सत्र के दौरान सीएमई मुलशी में

9. राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2016 को मनाया गया, इस कार्यक्रम में एनआईएन के सभी स्टाफ ने भाग लिया ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उपस्थित निदेशक, स्टाफ, डॉक्टर्स एवं छात्रगण

10. **पाक कला की कक्षाएं(कुकरी क्लासेस) :**

एनआईएन द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क पाकशास्त्र कक्षाएं दिनांक 30.03.2016 को सुबह 10.30 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित की गईं । इस कार्यक्रम में कुल 53 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इस कार्यक्रम में 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

11. **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन - 21 जून, 2015 :**

एन.आई.एन पुणे द्वारा पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस दिनांक 21 जून, 2015 को मनाया गया । इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें मिनी मैराथन का आयोजन सुबह 7.00 बजे किया गया । सुबह 8 बजे आयुष प्रोटोकोल के अनुसार सामूहिक योग सत्र, माइंड एक्सरसाइज, आदि, श्वास जागरुकता अभियान और

चिकित्सीय योग का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय श्री अनिल शिरोले, सांसद पुणे संसदीय क्षेत्र के हाथों किया गया । सभी प्रतिभागियों को सुबह 9 बजे नाश्ता दिया गया और प्राकृतिक चिकित्सा कँगनी खिचड़ी व बाजरा खीर दोपहर के भोजन के समय में सभी प्रतिभागियों को परोसा गया ।

12. **प्राकृतिक आरोग्य आहार प्रदर्शनी और योग प्राकृतिक चिकित्सा संगोष्ठी :**एन.आई.एन द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा आहार महोत्सव (एन एन एफ एफ) गोवा में दिनांक 9 एवं 10 जनवरी, 2016 को आयोजित किया गया । इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय श्री श्रीपद नाईक, आयुष मंत्री द्वारा सुबह 10.30 बजे किया गया । इस अवसर पर गोवा के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री फ्रांसिस डिसूजा, माननीय श्री रोहण खोंते, एमएलए पोरवोरिम, गोवा, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. डॉ. बी.टी.सी. मूर्ति और डॉ. बाबू जोसेफ, श्री मनोहर अडपाईकर, अध्यक्ष, आधार संस्था, पोंडा, गोवा, श्री अनंत बिरादार, आईएनओ और कई अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित रहकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । उसके बाद

सभी गणमान्य व्यक्तियों ने देश के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक खाद्य वस्तुओं, व्यंजनों और तैयारी के तरीकों से प्रदर्शित प्रत्येक प्राकृतिक चिकित्सा कॉलेज के प्रत्येक स्टाल का दौरा किया।

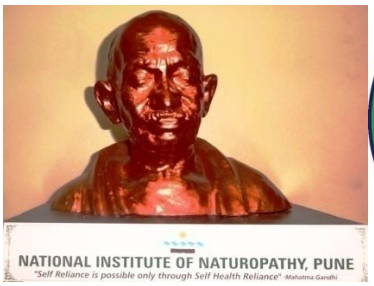

छात्रों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता उद्घाटन समारोह के बाद आयोजित की गई, जिसमें स्कूल जाने वाले कई छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और उन सभी ने प्रकृति के आधार पर बहुत ही सुंदर चित्र बनाए। एनआईएन द्वारा अंकुरित स्वस्थ नाश्ता, नींबू का रस, शहद, बाजरा खिचड़ी सभी छात्रों के लिए परोसी गई ।

गोवा के माननीय मुख्यमंत्री श्री लक्ष्मीकांत पारसेकर ने सभी स्टालों का अवलोकन किया । कार्यक्रम के दौरान एनआईएन द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ "फूड थॉट्स" और एचआईवी / एड्स के रोगी के लिए प्राकृतिक चिकित्सा के दो मोनोग्राफ का विमोचन किया गया । माननीय आयुष मंत्री जी से अनुरोध किया गया कि सभी प्रस्तावित स्मार्ट सिटी या तटीय राजधानी शहरों में स्वास्थ्य फूड कैफ़े खोले जाने चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इन स्वास्थ्य फ़ूड कैफ़े का लाभ उठा सकें । स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न संगोष्ठियों का आयोजन किया गया । आहार एवं आहार से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन आम जनता के लिए किया गया । जिसमें महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम शामिल है। बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित रहकर आहार एवं आहार संगोष्ठी का लाभ उठाया ।

10 जनवरी, 2016 रविवार को प्राकृतिक भोजन प्रदर्शनी के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसमें फल सब्जी नक्काशी प्रतियोगिता, पाक-कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मैदा, चीनी, मिर्च पाउडर, मसाला पाउडर आदि का इस्तेमाल नहीं किया गया । स्कूल के बच्चों द्वारा फल और सब्जियों पर बहुत ही सुंदर नक्काशी की गई, यह दिन का मुख्य आकर्षण था। प्रो. (डॉ) के. सत्यलक्ष्मी, निदेशक, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, (एनआईएन) पुणे ने समारोह में सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया।

"फूड थॉट्स" नमक पुस्तक प्राकृतिक भोजन की विधियों और तरीकों पर एक किताब का विमोचन गोवा के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया गया । यह पुस्तक प्राकृतिक भोजन इसमें मसाले आदि को मिलाए बिना भोजन की तैयारी पर आधारित है । इस पुस्तक में भोजन की तैयारी के विभिन्न व्यंजनों और प्राकृतिक पध्दति को दर्शाया गया

है । 10 जनवरी, 2016 को सायं 05:00 बजे के बाद समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें श्री लक्ष्मीकांत पारसेकर, माननीय मुख्यमंत्री, गोवा सरकार, समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

श्री श्रीपद नाईक, माननीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार नेशनल नेचुरल फूड फेस्टीवल एवं योगा नेचुरोपैथी सम्मेलन-2016, दिनांक 9 जनवरी, 2016 को गोवा में उद्घाटन करते हुए |

प्रो. (डॉ.) के. सत्यलक्ष्मी, निदेशक, एन आई एन, माननीय मंत्री जी श्री श्रीपद नाईक, आयुष मंत्री, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार को गांधी जी का स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए एवं दूसरे चित्र में डॉ. प्रदीप एम. के. नायर, कनिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक (एन आई एन), माननीय मंत्री जी श्री श्रीपद नाईक, श्री रोहण ए. खोंते, एमएलए, पोरवोरिम, गोवा, प्रो. (डॉ.) के. सत्य लक्ष्मी, निदेशक, एन.आई.एन को नेचुरल फूड रेसीपी दिखाते हुए |

प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र प्रदर्शनी के लिए प्राकृतिक आहार तैयार करते हुए

प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र प्रदर्शनी में प्राकृतिक आहार बनाते हुए

आहार महोत्सव की मुख्य विशेषता यह रही कि प्राकृतिक आहार की लगभग 200 प्राकृतिक खाद्य व्यंजनों, सलाद और रायतों की विविधता, बिना आग पर पकाए खीर और पौष्टिक लड्डू, गैर मसालेदार गैर-तला हुआ, रसायन मुक्त व्यंजन तथा रस और स्नैक्स की विविधता अतिथियों और जनता के लिए प्रदर्शित की गई ।

दो मोनोग्राफ ("प्राकृतिक चिकित्सा के प्रभाव और एक ह्यूमन इम्यूनो डेफिसिएंसी-वायरस से एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी - रिपोर्ट प्राप्त व्यक्तियों की सीडी4 गिनती पर योग हस्तक्षेप" जीर्ण सूजन प्राकृतिक चिकित्सा पर आधारित बीमारियों के साथ रोगियों में एरिथ्रोसाइट ऐडीमेंटेशन रेट को कम करने पर और प्राकृतिक उपायों की प्रभावशीलता का नैदानिक अध्ययन) माननीय मंत्री श्री श्रीपद नाईक, आयुष मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री फ्रांसिस डिसूजा, गोवा के माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री रोहण खोंते, माननीय विधायक, पोरवोरिम, गोवा, प्रो (डॉ) के. सत्यलक्ष्मी, निदेशक, एनआईएन, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान और पूर्व निदेशक,प्रो. डॉ.बी टी सी. मूर्ति और डॉ. बाबू जोसेफ सहित अन्य गणमान्य व्यक्तिमंच पर पुस्तक का विमोचन करते हुए।

ड्राइंग कॉम्पीटीशन में सहभागिता करते हुए स्कूल के बच्चे

संगोष्ठी के दौरान वक्ता स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों, विभिन्न आहार और जीवनचर्या पर सहभागियों को संबोधित करते हुए

प्राकृतिक चिकित्सा आहार एवं उसकी तैयारी से संबंधित पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते हुए मंच पर श्री लक्ष्मीकांत पारसेकर, माननीय मुख्यमंत्री, गोवा सरकार, माननीय आयुष मंत्री श्री श्रीपद नाईक, आयुष मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार एवं प्रो. (डॉ.) के. सत्यलक्ष्मी, निदेशक, एनआईएन, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान और पूर्व निदेशक, प्रो. डॉ.बी टी सी. मूर्ति और डॉ. बाबू जोसेफ एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति।

डॉ. बी.टी.सी. मूर्ति, डॉ. विमल कुमार मोदी एवं डॉ. प्रवीण जैकब संगोष्ठी में सहभागियों को व्याख्यान देते हुए

दो दिन के घटनाक्रम का समापन श्री के. सुभाष, प्रशासनिक अधिकारी,एनआईएन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

एनएनएफएफ - गोवा मीडिया कवरेज

निसर्गोपचाराने जगा सुखी जीवन

मुख्यमंत्र्यांचे आवाहन; पर्वरीतील राष्ट्रीय प्राकृतिक आहार महोत्सवाचा समारोप

गोवन वार्ता

प्रत्येकाला निरोगी ठेवणे हेच 'आयुष'चे ध्येय

आयुषमंत्री श्रीपाद नाईक यांचे उद्गार; पर्वरीत राष्ट्रीय प्राकृतिक आहार महोत्सव आणि योग निसर्गोपचार शिबिराचे आयोजन

गोवन वार्ता

निरोगी जीवनासाठी नैसर्गिक दिनक्रम गरजेचा

मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पार्सेकर यांचे उद्गार; पर्वरीत राष्ट्रीय प्राकृतिक आहार महोत्सवाचा समारोप थाटात

आपली माणसं, आपलं दैनिक!

गोवादूत

पर्वरीत उद्यापासून आहार महोत्सव

योगा निसर्गोपचारावर रंगणार चर्चासत्र

तरुण भारत

निरोगी राहाण्यासाठी निसर्गोपचाराची गरज

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
PANAJI - GOA

NAME	DATE	LANGUAGE	PLACE	PERIODICITY
GOMANTAK TIMES	8/1/16	ENGLISH	PANAJI	DAILY

Shripad Naik to inaugurate naturopathy seminar

BY A STAFF REPORTER

अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 तक योग में सहभागियों की सूची :

योग कक्षा का समय माह / वर्ष	प्राथमिक बैच सुबह8.00 से 9.00	माध्यमिक बैच सुबह 7.00 से 8.00	उन्नत बैच सुबह 6.00से 7.00	महिला बैच सुबह 9.00से 10.00	थेरेपी बैच सायं 8.00 से 9.00	माध्यमिक बैच सायं 7.00 से 8.00	उन्नत बैच सायं 6.00 से 7.00	प्राथमिक बैच सायं 5.00 से 6.00	कुल सहभागी
अप्रैल-15	40	42	17	23	10	6	11	29	178
मई -15	47	28	12	24	15	9	11	23	169
जून -15	45	33	15	23	15	12	11	28	182
जुलाई-15	53	37	10	39	18	14	17	36	224
अगस्त-15	44	39	8	37	20	12	16	32	208
सितंबर-15	39	40	18	40	16	9	11	29	202
अक्तूबर-15	40	40	23	40	22	6	6	34	211
नवंबर-15	41	26	7	40	15	9	6	25	169
दिसंबर-15	40	29	10	38	23	16	3	28	187
जनवरी-16	40	18	11	36	22	13	10	20	170
फरवरी-16	37	19	14	36	13	8	11	26	164
मार्च - 16	38	22	10	33	20	7	13	25	168
कुल	504	373	155	409	209	121	126	335	2232

कुल सहभागी : 2232

13. विशेष अवसर :

क) प्रदर्शनियों में सहभाग :

एन.आई.एन. ने निम्नलिखित प्रदर्शनियों में भाग लिया है, जिसमें एन.आई.एन का मासिक अंक निसर्गोपचार वार्ता और प्रतिष्ठित लेखकों द्वारा लिखी गई प्राकृतिक चिकित्सा और योग की पुस्तकें तथा विभिन्न प्राकृतिक उत्पाद और उपचार उपकरण भी प्रदर्शनी और बिक्री हेतु रखे गए थे ।

1. एन.आई.एन. ने दो दिवसीय लाइव वेलनेस एक्सपो-2015 में हैदराबाद में दिनांक 9 अगस्त, 2015 को सहभागिता की । यह एक्सपो साक्षी मीडिया एवं अन्य कंपनियों द्वारा आयोजित किया गया था । इस एक्सपो में डॉ. अजिंक्य पवार ने सहभाग किया । उन्होंने अपने व्याख्यान में स्वास्थ्य, श्वास जागरुकता और एन.आई.एन के परिचय एवं उनके संस्थान द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी । संपूर्ण रूप से वेलनेस एक्सपो का उद्देश्य बहुत ही अच्छा रहा ।

2. एन.आई.एन ने दिनांक 30 अगस्त, 2015 को पुणे में केरलिया समाज द्वारा आयोजित ओणम समारोह में भाग लिया । एन.आई.एन ने अपने स्टाल का प्रदर्शन किया जिसमें आर्गनिक स्वास्थ्य उत्पादों एवं योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित पुस्तकों का लोगों के लिए रखा गया ।

3. एन.आई.एन पुणे ने 15 से 18 अक्टूबर, 2015 तक गणेश कला क्रीडा मंच, स्वारगेट, पुणे में आयोजित पुणे बुक फेयर में सहभागिता की । संस्था ने बुक स्टाल भी उपलब्ध रखा । मुख्य अतिथि श्री एस.के. चोकलिंगम, संभागीय आयुक्त, पुणे थे । इस स्टॉल पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट व्यक्तियों एवं कई छात्रों तथा स्थानीय लोगों ने विजिट किया । हमने निसर्गोपचार वार्ता (पुराने संस्करण) एवं प्रचारक सामग्री का उन्हें नि:शुल्क वितरण किया । श्री रफीक शेख (एमटीएम) और श्री प्रफुल्ल

कोकाने (डीईओ) को बुक फेयर के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था और उन्होंने एन.आई.एन. पुणे की उपचार गतिविधियों के बारे में लोगों को जानकारी दी ।

4. दिनांक 19 एवं 20 मार्च, 2015 को ऑटो क्लस्टर प्रदर्शनी कॉम्पलेक्स, एमआईडीसी, चिंचवड, पुणे में आयोजित एन.आई.एन द्वारा नैशनल आरोग्य फेयर पुणे में सहभागिता की ।

5. आयुष मंत्रालय द्वारा गोवा में आयोजित नैशनल आरोग्य फेयर, गोवा में एन.आई.एन द्वारा स्टॉल के साथ सहभागिता की ।

6. एन.आई.एन द्वारा ' द टाइम्स हेल्थ एक्सपो-2015' में गणेश कला क्रीडा केंद्र, स्वारगेट, पुणे में दिनांक 1 एवं 2 अगस्त, 2015 में सहभागिता की । डॉ. अजिंक्य पवार, (कनिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक) और श्री प्रफुल्ल कोकाने, (डीईओ) को इस एक्सपो के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था । इस स्टॉल पर कई लोगों ने निरिक्षण किया । जिसमें किताबें एवं स्वास्थ्य दुकान से संबंधित उत्पाद बिक्री और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार के लिए रखे गए । इस स्टॉल पर विजिट करने वालों को डॉ. अजिंक्य पवार द्वारा संक्षेप में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में जानकारी दी गई । निरिक्षण करने वालों को नि:शुल्क प्रचार-प्रसार सामग्री एवं निसर्गोपचार वार्ता की प्रतियां दी गईं ।

एन.आई.एन की स्टॉल प्रदर्शनी

ख) संगोष्ठियां / कार्यशालाएं :

1. डॉ. डी. सत्यनाथ (एन.सी.पी.) के मार्गदर्शन में 4 जनवरी 2015 को एन.आई.एन., पुणे के ट्रेनिंग सेंटर और नेशनल अकेडमी ऑफ डिफेंस फाइनान्शियल मैनेजमेंट से सेवानिवृत्त होने वाले अफसर और स्टाफ के लिए " हेल्थ मैनेजमेंट " विषय पर एक

सत्र आयोजित किया गया, उन्होंने एन.आई.एन. की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुये उन सभी अधिकारी और स्टाफ को एन.आई.एन. के उपचार विभाग, गांधी रूम और हेल्थ शॉप दिखलाए । इस सत्र में कुल 30 प्रतिभागी सदस्य उपस्थित थे। सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियों को "निसर्गोपचार वार्ता" के एक पुराने अंक का वितरण किया गया।

2. डॉ. प्रवीण जेकब, निसर्ग हॉस्पिटल, सिरसी, कर्नाटक के प्रकृतिक चिकित्सा के कंसल्टेंट है उन्होंने 11 जून 2015 को एन.आई.एन. के डॉक्टर को कार्डिएक हेल्थ में लिपिड्स के महत्व को समझते हुये एक लैक्चर दिया । इस सत्र में एन.आई.एन. निदेशक डॉ. के.सत्यलक्ष्मी, श्री. के.सुभाष, प्रशासनिक अधिकारी, 15 निसर्ग उपचारक और

अन्य 5 संबंधित व्यक्ति उपस्थित थे । इसका समापन डॉ. के.सत्यलक्ष्मी के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

3. डॉ. प्रदीप एम.के. नायर ने 13 जून 2015 को मानसिक अस्वस्थता के लिए योग विषय पर अपना लैक्चर दिया जिसमें 15 प्रतिभागी शामिल हुये। उन्होंने अपने लैक्चर में योग के जरिये मानसिक तनाव से किस प्रकार मुक्ति मिल सकती है इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

4. श्री. संतोष दत्तात्रय बोराडे ने 20 जून 2015 को अपने साप्ताहिक लैक्चर के विषय "स्ट्रेस मैनेजमेंट एंड हेल्थी लाइफ स्टाइल विथ म्युजिक थेरेपी" विषय पर अपना लैक्चर प्रस्तुत किया। इस में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया । जिसमें उन्होंने म्युजिक थैरपी के महत्व को समझाया।

5. 22 जून 2015 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एन.सी.पी. के डॉ. युवराज पॉल ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाइरोलोजी, पाषाण, पुणे के छात्र, साइंटिस्ट, डॉक्टर और वहाँ के स्टाफ के लिए किया " योग" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया । कैम्पस में डॉ. युवराज पॉल ने श्वास जागरूकता कार्यक्रम से संबंधित एन.आई.एन. की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

6. 24 जून 2015 को सत्यानंद योग सेंटर के लिए एक योग और प्रकृतिक चिकित्सा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने योग से संबंधित सभी जानकारी दी।

7. 27 जून 2015 को एन.आई.एन. ने मैनेजमेंट ऑफ डाइजेस्टीव डिसओर्डेर्स थ्रु नेचरोपेथी और योग विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें तीन सत्र हुये पहले

सत्र को डॉ. महेश सिनारकर, गैसट्रोएंट्रोलोजिस्ट ने संबोधित किया, दूसरे सत्र को डॉ. कुषाण शाह, नेचरोपेथ ने संबोधित किया। तीसरे सत्र को डॉ. शिमी मेरी ने संबोधित किया। कार्यशालामें कुल 51 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभाग लिया।

8. 2 से 7 अगस्त 2015 के दौरान नैशनल अकेडेमी ऑफ डिफेंस एंड फाइनन्शियल मैनेजमेंट ने एक योग क्लास के सत्र का आयोजन गोलीबार मैदान में किया जिसका नेतृत्व एन.आई.एन. के डॉ.अजिंक्य पवार ने किया। यह सत्र परिवीक्षाधीन कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने योग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस सत्र में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर एन.आई.एन. के प्रति अपने आभार प्रदर्शित किए।

9. 8 सितम्बर 2015 को डॉ. सत्यनाथ ने आबेदा इनामदार सीनियर कॉलेज के छात्रों के लिए नेचेरोपेथी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें उन्होंने छात्रों को बदलती आहर संस्कृति और जीवन में नेचरोपेथी और उसके महत्व की जानकारी दी। इस सत्र में कुल 40 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया । कॉलेज के प्राचार्य और प्रोग्राम को-ओर्डिनेटर ने कॉलेज के विभागीय सदस्यों के लिए भी इसी प्रकार के सत्र के आयोजन किए जाने की उत्सुकता जताई ।

10. 13 नवम्बर 2015 को एन.आई.एन. ने अंथ्रोपोसोफी मेडिसिन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसे डॉ. श्रीधर रेड्डी एम.पी.टी. ने संचालित किया । कार्यशाला में एन.आई.एन. के डायरेक्टर, जूनियर नेचरोपेथ और हाउस सर्जन ने हिस्सा लिया। डॉ. श्रीधर ने अंथ्रोपोसोफी की तकनीक और अंगों का कार्य के बारे में बतलाया जिसकी एन.आई.एन. के डॉक्टरों ने जमकर सराहना की।

11. 28 नवम्बर 25 को एन.आई.एन. ने योग और नेचरोपेथी की सहायता से मेनेजमेंट ऑफ कोरोनरी आर्टरी डिसीज विषय पर एक महीने की एक कार्यशाला का आयोजन किया । डॉ. प्रणव और डॉ. धनंजय आरंकल्ले इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे। कुल 23 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया । प्रतिभागी और व्याख्याता के बीच में एक अच्छा संवाद स्थापित हुआ और सभी ने इस कार्यशाल का आनंद उठाया।

12. 14 और 15 मार्च 2016 को एन.आई.एन. के प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए एक्यूप्रेशर विषय पर एक कार्यशाल का आयोजन किया गया । पहले दिन इंदौर स्थित नर्सिंग कालेज के डॉ. अंतिम सिंह ने व्याख्यान दिया और अतिथि व्याख्याता ने प्रयोगिक उपयोगिता के बारे में बताया। दूसरे दिन कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एक्यूप्रेशर और डिसीज मैनेजमेंट और बाद में बीमारी की जड़ होने पर छात्रों में एक खुशी का वातावरण था। छात्र कार्यशाल से खुश थे।

13. 27 मार्च 2016 को इंदौर (मध्य प्रदेश) के प्रीतम दास सभागृह में एन.आई.एन. ने नेचरोपेथी हेल्थ अवेरनेस कार्यशाला का नि:शुल्क आयोजन किया था जिसमें कुल 207 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

ग) क्षेत्रीय भाषाओं की कार्यशाला :

1. 18 अप्रैल 2015 को एन.आई.एन. ने तमिल भाषा में **"**मेंटेनेन्स ऑफ हेल्थ थ्रु नेचरोपेथी" पर एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया ।

2. 8 अगस्त 25 को एन.आई.एन. ने मराठी भाषा में **"** मेंटेनेन्स ऑफ हेल्थ थ्रु नेचरोपेथी" पर एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया । इस कार्यशाला का उद्घाटन एन.आई.एन. निदेशक डॉ. सत्य लक्ष्मी ने किया। नेचरोपेथ ने नेचरोपेथी, फन्डामेंटल्स ऑफ नेचरोपेथी, फस्टिंग एवं डायट फॉर लाईफ, नेचर क्यूअर ट्रीटमेंट टू क्यूअर अडिफरंट सीजन्स एंड योग फॉर गुड हेल्थ विषय पर व्याख्यान दिये।

3. 12 सितंबर 2015 को एन.आई.एन. ने **"** मेंटेनेन्स ऑफ हेल्थ थ्रु नेचरोपेथी एंड योग" विषय पर मलयालम भाषा में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें कुल 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया । प्रतिभागियों को कार्यशाला के दौरान प्राकृतिक भोजन, हर्बल चाय, नींबू पानी, "निसर्गोपचार वार्ता" पत्रिका की एक प्रति और जरूरतमंद लोगों के उपयोगी एनीमा चिकित्सा उपकरण का वितरण किया गया।

4. 22 नवंबर 2015 को एन.आई.एन. ने डाएट, फस्टिंग, योगिक प्रोसिजर्स और नेचरोपेथीक मोडलिटिस विषय पर क्षेत्रीय तेलुगु भाषा में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमे 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला को डॉ. जे.वी.एन.चारी (सी.एम.ओ., कस्तूरबा नेचर केयर हॉस्पिटल, हैदराबाद, डॉ. सरजू (ग्रीन वुड नेचर क्यूयर, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल) डॉ. नीलम वर्मा (ग्रीन वुड नेचर क्यूयर, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल) और डॉ. महेंद्र (सीनियर मेडिकल अफसर, हैदराबाद) ने संबोधित किया। कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला का आनंद उठाया और उन्होंने इसी प्रकार के कार्यक्रम को उनके संस्थान और लोगों में आयोजित करने का आग्रह किया।

घ) एन.आई.एन. पुणे ने आयुषमान भारत के अतर्गत निम्नलिखित स्थानों पर नि:शुल्क हेल्थ चेक अप कार्यक्रम का आयोजन किया : -

1. 11 अप्रैल 2015 को सी.जी.एच.एस. वेलनेस सेंटर, फुले नगर, पुणे में आयोजन किया गया जिसमें एन.आई.एन. की जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर सीमा भवन ने अपने व्याख्यान के साथ नि:शुल्क परामर्श दिया जिसका लाभ 54 मरीजों ने उठाया।

2. 18 अप्रैल 2015 को जी.एच. एस. हॉस्पिटल, रेंज हिल्स, पुणे में एन.आई.एन. की जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर सीमा भवन ने एन.आई.एन. की गतिविधियों से लोगों को अवगत कराया और नेचरोपेथी पर अपना व्याख्यान देकर लोगों को नि:शुल्क परामर्श दी जिसका लाभ 51 मरीजों ने उठाया।

3. 24 अप्रैल 2015 को चारोलीबुद्रूक, पुणे में एन.आई.एन. की जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर प्रणव खवले ने अपने व्याख्यान के साथ लोगों को नि:शुल्क परामर्श दिया जिसका लाभ 51 मरीजों ने उठाया ।

4. 25 अप्रैल 2015 को एन.आई.एन. की जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर सीमा भवन ने सी.जी.एच.एस., पोलिक्लीनिक, मुकुंदनगर, पुणे में 53 मरीजों को नि:शुल्क परामर्श सेवा प्रदान की।

5. 9 मई 2015 को एन.आई.एन. की जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर सीमा भवन ने सी.जी.एच.एस., वेलनेस सेंटर, रेंज हिल्स, पुणे में 60 मरीजों को निशुल्क परामर्श सेवा प्रदान की और मरीजों को उसका लाभ हुआ।

6. 12 मई 2015 को एन.आई.एन. के जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर अजिंक्य पवार ने पेरने ग्राम पंचायत, पेरने गाँव, पुणे, रेंज हिल्स पुणे में एन.आई.एन. की गतिविधियों की जानकारी देकर लोगों को नि:शुल्क परामर्श सेवा दी जिससे 27 लोगों को लाभ हुआ।

7. 16 जून 2015 को एन.आई.एन. की जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर सीमा भवन ने सी.जी.एच.एस., पोलिक्लीनिक, मुकुंदनगर, पुणे में 50 मरीजों को नि:शुल्क परामर्श सेवा प्रदान की।

8. 23 मई को एन.आई.एन. की जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर सीमा भवन ने सी.जी.एच.एस., पोलिक्लीनिक, पुणे कैंप, पुणे में 58 मरीजों को नि:शुल्क परामर्श सेवा प्रदान की।

9. 27 मई 2015 को एन.आई.एन. के डॉ. डी.सत्यनाथ, नेचर क्यूर फिजीशियन ने इंडियन रेल्वे इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग में स्ट्रेस मैनेजमेंट नेचुरली पर एक सत्र का आयोजन किया जिसमें केवल 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया । डॉ. डी.सत्यनाथ ने प्रतिभागियों को एन.आई.एन. की विस्तृत जानकारी दी।

10. आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज के ओर्थ्रो और ओ.टी. ट्रेनी ने उनके ट्यूटर के साथ 28 मई 2015 को एन.आई.एन. का दौरा किया जिसमें एन.आई.एन. के जूनियर नेचरोपेथ डॉक्टर प्रदीप एम.के. ने नेचरोपेथी पर एक व्याख्यान दिया और उन्हें एन.आई.एन. की गतिविधियों से अवगत कराया।

11. 29 मई 2015 को एन.आई.एन. के डॉ. डी.सत्यनाथ, नेचर क्यूर फिजीशियन ने नैशनल एकेडेमी ऑफ डिफेंस फाइनन्शियल मैनेजमेंट और रिजनल ट्रेनिंग सेंटर पुणे के नवागत आडिटर और क्लर्क्स के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर एक सत्र का आयोजन किया जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

ड.) अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्तियों का दौरा :

1. श्री. नीलांजन सन्याल, आई.ए.एस., सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 25 अगस्त 2015 को एन.आई.एन. का दौरा कर संस्था की गतिविधियों का अवलोकन किया।

2. श्री. अजित एम. शरण, आई.ए.एस., सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 20 मार्च 2016 को एन.आई.एन. का दौरा कर संस्था की गतिविधियों का अवलोकन किया।

श्री. अजित एम. शरण, आई.ए.एस., सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, गांधी मेमोरियल, एन.आई.एन. में गांधीजी के हस्तलिखित दस्तावेज़ का वाचन करते हुए।

च) एन.आई.एन के निदेशक और अन्य अधिकारीगण ने निम्नलिखित सभाओं और कार्यक्रमों में भाग लिया :

1. डॉ. एस.एन. मूर्ति, निदेशक इन चार्ज, एन.आई.एन. 04.05.2015 को भुवनेश्वर में आयोजित डिप्लोमा इन नेचरोपेथी एंड योग की परीक्षा की पूर्व तैयारियों का अवलोकन कर सभा में भाग लिया जिसका आयोजन निदेशक आयुष, ओड़ीशा ने किया।

2. 27 जुलाई 2015 को दोपह 2 बजे हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. कलाम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पण करने के लिए एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. (डॉ.) के. सत्यलक्ष्मी, निदेशक, एन.आई.एन. के साथ श्री. के. सुभाष प्रशासनिक अधिकारी और सभी डॉक्टर्स, स्टाफ और छात्र सभा में उपस्थित थे । प्रशासनिक अधिकारी ने डॉ. ए.पी.जे. कलाम की उपलब्धियां और उनका भारत के प्रति जो एक सपना था उसकी मीमांसा की, दो मिनट के मौन के बाद निदेशक ने महात्मा गांधीजी के भजन रघुपति राघव गाया जिसे सभी स्टाफ ने दोहराया।

3. 21 अगस्त 2015 को फादर एग्नेल वेलनेस आश्रम के उद्घाटन समारोह में एन.आई.एन. ने हिस्सा लिया। माननीय आयुष मंत्री श्री. श्रीपद नाईक, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार समारोह के मुख्य अतिथि थे। एन.आई.एन. निदेशक प्रो. डॉ. सत्य लक्ष्मी को समारोह में अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। समारोह में एन.आई.एन. अपने हेल्थ शॉप प्रोडक्ट और नेचरोपेथी डाइट की किताबों का स्टॉल लगाया। सभी आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों ने स्टॉल का अवलोकन किया। सभी प्रतिभागियों को पत्रिका निसर्गोपचार वार्ता का वितरण किया गया। हमेशा की तरह प्रतिभागियों को एन.आई.एन. के बारे में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया ।

4. एन.आई.एन. की निदेशक प्रो. डॉ. सत्यलक्ष्मी, प्रशासनिक अधिकारी एवं सी.वी.ओ. श्री. के.सुभाष 21 अगस्त 2015 को वड्गावशेरी में माननीय स्वामी हरिदास के 75वें जन्मदिन समारोह में उपस्थित हुए ।

5. 25 अगस्त 2015 को पुणे केरलिया समाज के सहयोग से एन.आई.एन. ने एक योग गोष्ठी का आयोजन किया । इसमें वरिष्ठ नागरिक, छात्र, महिलाएं और केरलिया समाज के लोगों ने भाग लिया । प्रशासनिक अधिकारी और सी.वी.ओ. श्री. के.सुभाष ने एन.आई.एन. की विस्तृत जानकारी और गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की ।

डॉ. प्रदीप एम.के. (जूनियर नेचरोपेथ) ने जीवन-शैली की असमानता पर योग और नेचरोपेथी के उपचार के बारे में व्याख्यान दिया।

6. 7 नवम्बर 2015 को एन.आई.एन. ने पुणे स्थित नैशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर के अफसर और स्टाफ के लिए " मेंटेनन्स ऑफ हेल्थ थ्रु नेचरोपेथी एंड योग विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया ।

7. 9 फरवरी 2016 को सचिव, आयुष, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तीसरी मासिक अवलोकन सभा में एन.आई.एन. निदेशक ने हिस्सा लिया ।

8. एन.आई.एन. निदेशक ने 11.02.2016 को ऊरलीकांचन स्थित निसर्गोपचार ग्राम सुधार ट्रस्ट के मरीजों के समक्ष व्याख्यान दिया ।

9. 19 फरवरी 2016 को एन.आई.एन. के निदेशक आयुष / हेल्थ मिनिस्टर्स कोन्फ्रेंस, हाल नं 4, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयुष के माननीय मंत्री की अध्यक्षता में हुई सभा में उपस्थित रहे ।

10. 21 फरवरी 2016 इंदौर में आयोजित तीसरी डी.ए.ई. कार्यशाला में एन.आई.एन. के निदेशक ने उपस्थिति दर्ज की और वहाँ के रामना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलोजी, डिपार्टमेन्ट ऑफ अटॉमिक एनर्जी, भारत सरकार, इंदौर में "नेचरोपेथी एंड होलिस्टिक लिविंग" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

11. दिनांक 16.03.2016 को नई दिल्ली में अध्यक्षता के तहत चौथी मासिक अवलोकन सभा में एन.आई.एन. के निदेशक उपस्थित रहे।

12. एन.आई.एन. के निदेशक17.03.2016 को नई दिल्ली में हुई सी.सी.आर.वाय.एन. की सभा में उपस्थित हुये।

छ) बच्चों और छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम :

1. ए.एफ.एम.सी. के बी.एस.सी. / एम.एस.सी. नर्सिंग के छात्र 1 अप्रैल 2015 को एन.आई.एन. में पधारे । डॉ. प्रदीप एम.के. ने उन्हें " कम्यूनिटी हेल्थ केयर में नेचरोपेथी का योगदान " विषय पर व्याख्यान दिया।

2. ए.एफ.एम.सी. के बी.एस.सी./ एम.एस.सी. नर्सिंग के छात्र 13 जनवरी 2016 को एन.आई.एन. में पधारे। डॉ. अजिंक्य पवार ने कुल 64 छात्रों को एन.आई.एन. की विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन सभी को एन.आई.एन. की गतिविधियां और उपचार पद्धति अच्छी लगी।

3. एन.आई.एन. के स्टाफ और छात्रों ने 26 जनवरी 2016 को गणतन्त्र दिवस बड़े उत्साह से मनाया। एन.आई.एन. निदेशक प्रो. डॉ. के. सत्यलक्ष्मी ने गणतन्त्र दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। योग हाल में सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक रोड सेफ़्टी अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें सभी स्टाफ और छात्र उपस्थित थे । एन.डी.एन.वाय.टी. के छात्रों द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया।

4. 8 अक्तूबर 2015 को सुमतिभाई शाह आयुर्वेद महाविद्यालय, मालवाड़ी, हड़पसर के छात्रों ने एन.आई.एन. बापू भवन को भेंट दी। डॉ. हृतिका जिराफे (जूनियर नेचरोपेथ) ने एन.आई.एन. की सुविधाओं, ऐड्स सेनीटोरियम, चिकित्सा पद्धति और उसके लाभ के बारे में छात्रों और उनके साथ आए 3 पी.जी. के छात्र और व्याख्याताओं को जानकारी दी।

ज)अन्य घटनाक्रम:

1. एन.आई.एन. के यू.डी.सी. श्री. यू.एस.माने ने फ़रीदाबाद में 7 सितम्बर 2015 से 12 सितम्बर 2015 तक कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का विषय "पब्लिक प्रोक्यूरमेंट" था जिसे डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑफ प्रोक्यूरमेंट पॉलिसी, डिविजन ऑफ मिनिस्ट्री ऑफ फाइनान्स, भारत सरकार द्वारा प्रबंधित किया गया था।

2. श्री. एस. डी. दिवाणे, डी.पी.ए. ने 7 अक्तूबर 2015 को नई दिल्ली में ओपन डाटा गवर्नमेंट प्लेटफॉर्म इंडिया द्वारा आयोजित "डाटा कंट्रीब्यूटर्स फ़्रोम वेरियस मिनिस्ट्रिज / डिपार्टमेंट्स एंड ओर्गनाइजेशन" विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।

3. श्री. एस. डी. दिवाणे, डी.पी.ए. ने 20 और 21 जनवरी 2016 को हैदराबाद में नैशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नैशनल नॉलेज नेटवर्क कार्यशाला में भाग लिया।

4. एन.आई.एन., पुणे ने 18 से 21 जून 2015 तक हैदराबाद में हुई " द वर्ल्ड योग एंड आरोग्य कन्वेन्शन " में हिस्सा लिया। एन.आई.एन. के स्टाफ ने माननीय मंत्री श्री. बंदारु दत्तात्रय, श्रम एवं रोजगार मंत्री और श्री. श्रीनिवास रेड्डी, मिनिस्टर ऑफ एग्रीकल्चर एंड होर्टीकल्चर का स्वागत किया। साथ ही एन.आई.एन. ने लगभग 5000 व्यक्तियों का स्वागत किया। एन.आई.एन. ने यहाँ पर किताबों और हेल्थ शॉप प्रोडक्ट

की प्रदर्शनी भी लगाई और नि:शुल्क पर्चे भी बांटे। डॉ. पी. अनीता ने सभी आगंतुकों को नेचरोपेथी के बारे में बताकर हेल्थी लाइफ स्टाइल के लिए उत्साहित किया।

5. एन.आई.एन. स्टाफ ने महात्मा गांधी की पूण्यतिथि दिवस दिनांक 30 जनवरी का पालन किया ।

6. एन.आई.एन. दिल्ली ने में 3 और 4 मार्च 2016 को एक दो दिवसीय इंटेरनेशनल कान्फरेंस में भाग लिया। डॉ. प्रदीप के. नायर, जूनियर नेचरोपेथ, एन.आई.एन., पुणे और डॉ. चन्द्रशेखरन, एस.आर.एफ., सी.सी.डी.सी. दिल्ली ने सभा में भाग लिया। "ट्रेडीशनल मेडिसिन एंड केंसर केयर" पर इंडो यू.एस. कार्यशाला का उद्घाटन माननीय आयुष मंत्री और यू.एस. के श्री.जिम ने किया। आपसी वार्तालाप में संयुक्त रूप से कार्य करने की संभावनाओं को खोजना वार्तालाप का मुख्य उद्देश्य था।

7. एन.आई.एन. के निदेशक की नियुक्ति : प्रो. (डॉ.) के.सत्यलक्ष्मी, निदेशक, वेमना योग रिसर्च इंस्टीट्यूट, तेलंगाना, बेगमपेट, हैदराबाद, ने पदस्थ होकर 01.06.2016 से 5 साल के डेप्युटेशन पर राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे में निदेशक के पद का कार्यभार सभाला। इसके पहले डॉ. एस.एन.मूर्ति, सहायक निदेशक, प्रभारी, नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक आयुर्वेदिक साइंसेस (एन.आर.आई.बी.ए.एस.)

प्रो.(डॉ.) के. सत्यलक्ष्मी के पदस्थ होने से पूर्व राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे में अतिरिक्त निदेशक का पदभार संभाल रहे थे।

डॉ. एस.एन. मूर्ति, प्रभारी निदेशक ने प्रो. (डॉ.) के. सत्यलक्ष्मी का स्वागत करते हुए

15) हिंदी पखवाड़ा : हिन्दी पखवाड़े का आयोजन 4 से 18 सितम्बर, 2015 के बीच संस्थान में किया गया। पखवाड़े का औपचारिक उद्घाट्न 04.09.2015 को श्रीमती स्वाति सरदेसाई, उप-महानिदेशक (सामान्य),राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन आई सी), पुणे द्वारा किया गया। पखवाड़े में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे कि अंताक्षरी, भाषण, निबंध लेखन और हिन्दी श्रुति-लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन स्टाफ, डॉक्टर्स और छात्रों के बीच किया गया। नोटिंग और ड्राफ्टिंग पर हिन्दी कार्यशाला का संचालन श्री राजेंद्र वर्मा, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, पुणे द्वारा स्टाफ, डॉक्टर्स और प्रशिक्षार्थियों के बीच कार्यालय में अधिक से अधिक हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किया गया। विजेताओं को पुरस्कार प्रो.(डॉ.) के. सत्यलक्ष्मी, निदेशक, एन.आई.एन. के कर कमलों द्वारा हिन्दी पखवाड़े के समापन दिवस पर वितरित किए गए।

हिंदी सप्ताह के दौरान सौ. सिमा देशपांडे, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, पुणे द्वारा स्टाफ, डॉक्टर्स और प्रशिक्षार्थियों कों मार्गदर्शन करते हुए |

हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता में संस्था के कर्मचारी एवं छात्रगण

16.गांधी जयंती का आयोजन: -

एन.आई.एन. ने गांधी जयंती को नेचरोपेथी दिवस के रूप में मनाया । इस दिवस के साथ स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम मानकर इंटेरनेशनल अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। मुख्य अतिथि के रूप में श्री. लाल घनशानी, प्रेसिडेंट, सोसायटी ऑफ सर्वेन्ट्स ऑफ गॉड एंड नेचर क्यूयर फाउंडेशन ट्रस्ट, मुंबई उपस्थित थे। श्री. लाल घनशानी और प्रो.(डॉ.) के.सत्यलक्ष्मी, निदेशक, एन.आई.एन. और अन्य ओफिशियल्स के साथ मिलकर एन.आई.एन. गांधी मेमोरियल स्थित गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। निदेशक, एन.आई.एन. ने गांधीजी के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके भारत

और विश्व में दिये गए योगदान की सराहाना की । इसके उपरांत गांधीजी के भक्ति भरे गीतों को एन.आई.एन. के स्टाफ और छात्रों द्वारा गाया गया । एन.आई.एन. के छात्रों के बीच गांधी के मूल्यों पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा पारितोष कों का वितरण किया गया। महात्मा गांधीजी के स्वदेशी विचार पर देश भर के सभी नेचरोपेथी कॉलेजों में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और तीन पुरस्कार पहला, दूसरा और तीसरा की घोषणा की गयी जिसका वितरण माननीय आयुष मंत्री, श्री. श्रीपद नाईक के कर कमलों द्वारा गोवा में फूड फेस्टिवल (एन.एन.एफ.एफ.2016) के दौरान किया गया।

एन.आई.एन में गांधी जयंती का आयोजन

17. **सतर्कता जागरुकता सप्ताह :** 26 से 31 अक्टूबर, 2015 को सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया था । इस सप्ताह के दौरान श्री आर लक्ष्मीनारायण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, राष्ट्रीय विषाणु संस्थान, पुणे ने 'सुशासन का एक उपकरण के रूप में निवारक सतर्कता" पर एक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों जैसे भाषण और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन कर्मचारियों, डॉक्टरों और छात्रों के लिए किया गया । समापन समारोह में निदेशक, एन आई एन,पुणे के कर कमलों से विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

18. **आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी):** एनआईएन के कार्यालय आदेश संख्या 1-85/एनआईएन/2013/571 दिनांक 2015/07/29 के अधिक्रमण में काम के स्थान पर यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण के लिएआंतरिक अनुपालन समिति (आईसीसी) गठित की गई ।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

क्र.सं.	नाम एवं पदनाम	
1.	डॉ (श्रीमती) विद्या गुप्ता, मुख्य वैज्ञानिक और जैव रसायन विज्ञान के अध्यक्ष डिवीजन, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे	अध्यक्ष
2.	श्रीमती अदिति वैद्य, एडवोकेट बी/6, सरस नगर, सिद्धिविनायक सोसायटी, 983/2 शुक्रवार पेठ,पुणे - 411 002	सदस्य
3.	श्रीमती मरियम्मा जॉन, स्पेशल ड्यूटी अधिकारी भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर),पाषाण, पुणे	सदस्य
4.	श्री के सुभाष प्रशासनिक अधिकारी एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे	सदस्य
5.	डॉ. पी. युवराज पॉल प्राकृतिक चिकित्सा फिजिशियन, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे	सदस्य
6.	श्रीमती मृणालिनी अरावकर उच्च श्रेणी लिपिक, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे	सदस्य - सचिव

19) चालू वर्ष 2015 - 16 के दौरान की मुख्य गतिविधियां:

भूमि अधिग्रहण : एन.आई.एन. को आयुष मंत्रालय**,** भारत सरकार के सक्रिय सहयोग से 10 हेक्टर (25 एकड़) जमीन महाराष्ट्र सरकार से "निसर्ग ग्राम" के अंतर्गत नेचरोपेथी अस्पताल**,** मेडिकल कालेज**,** रिसर्च यूनिट और सजीव गांधी स्मारक के लिए कोंढवा में पुणे नगर निगम के अंतर्गत आबंटित की गयी है जिसकी कीमत लगभग 7.66 करोड़ है।

भूमि अधिग्रहण, कोढवा, पुणे

20) स्वच्छ भारत अभियान :

एन.आई.एन. द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता मुहिम जिसमें जागरूकता लाने के लिए संस्था के अफसर, डॉक्टर्स, छात्र, प्रशिक्षार्थी भाग लेते हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में सामाजिक स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करना है जिससे बाह्य रोग की रोकथाम हो और गांधीजी का सपना सच हो और माननीय प्रधान मंत्रीजी के आह्वाहन का पालन हो ।

नियमित स्वच्छता अभियान के साथ-साथ "स्वच्छ भारत अभियान" विशेष अभियान को संस्था में निम्न रूप से चलाया गया।

1) **स्वच्छ भारत अभियान** - सफाई स्वच्छता की 22 से 26 जून 2016 तक की मुहिम जिसे राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे के तत्वाधान में चलाया गया।

1) एन.आई.एन. परिसर के सभी कमरे बरामदे अच्छी तरह से साफ किए गए ।

2) संस्था का आफिस जिसमें प्रांगण, पार्किंग, बरामदा, शौचालय, सीढ़ियाँ आदि अच्छी तरह से साफ किए गए।

3) रोजाना कूड़े दान की सफाई नियमित रूप से की जाती है । विशेष सफाई अभियान में विशेष प्रयास समूचे परिवेश को साफ सुथरा रखने के लिए किया जाता है।

4) दस्तावेजों को नष्ट करना : ऐसे दस्तावेज़ जिनका कोई उपयोग नहीं होता उन्हे उचित तरीकों से नष्ट किया गया ।

2) **स्वच्छ भारत अभियान -** स्वच्छता मुहिम का आयोजन 31 दिसम्बर 2015 से 5 जनवरी 2016 तक किया गया ।

1. बगीचे और परिसर के बाहर : एन.आई.एन. के डॉक्टर्स, स्टाफ और छात्रों द्वारा बगीचे का कूड़ा कचरा और बाहरी इलाका साफ किया गया |
2. कार्यालय परिसर में जैसे शौचालय, बरामदे और सीढ़ियाँ, लिफ्ट आदि स्वच्छ रखे गए ।
3. कार्यालय परिसर, रास्ते और पार्किंग एरिया साफ किये गए ।

3) एन.आई.एन., पुणे के तत्वाधन में "स्वच्छ भारत अभियान" स्वच्छता पखवाड़े का 16 मई से 31 मई 2016 में आयोजन किया गया।

क) दस्तावेजों को नष्ट करना और सहेज कर रखना : जो दस्तावेज़ किसी काम के नहीं है और न ही उनका कोई भविष्य में उपयोग है और ऐसे दस्तावेज़ जो कि भविष्य में काम आते हैं और उनका उपयोग भविष्य में है, संबंधित विभागों द्वारा सहेज कर रखा गया ।

ख) बगीचे और परिसर के बाहर : एन.आई.एन. के हाउस कीपिंग कर्मचारी गार्डन परिसर में पड़ा हुआ कूड़ा करकट हटाकर और आजूबाजू के परिसर साफ सुथरा रखते हैं ।

ग) कबाड़ हटाना : पुराना धातु, अल्युमीनियम, फाइबर और लकड़ी के समान को सही तरीके के साथ हटाया और नष्ट किया जाता है।